FOR PRIVATE CIRCULATION ONLY

हल्ला बोल

SALAAM BOMBAY FOUNDATION

■ ISSUE 09 ■ DECEMBER 2009

तम्बाकू के विरुद्ध लड़ाई

www.salaambombay.org

लिटिल मास्टर्स चैलेंज इस वर्ष फिर उसी उत्साह के साथ खेला जा रहा है। इस साल 13 टीमों ने चैलेंज मे हिस्सा लिया। इसमें 4 अंडर 14, 4 अंडर 17 और 5 कोर टीम हैं। इन टीमों के बीच दिलचस्प मुकाबला 25 नवम्बर से शुरू हुआ। 8 दिनों में हुए 22 मैचों के घमासान युद्ध के बाद अंडर 14 में Young Chargers को विजेता घोषित किया गया। अंडर 17 में Mighty Warriors और Raging Bulls का फाइनल में मुकाबला होगा। साथ ही Dynamites और Thunder Storm टीमें कोर ग्रुप में पहले स्थान के लिए खेलेंगी। यह मैच 9 दिसम्बर को ब्रबॉन स्टेडियम में होंगे।

यलगार हो !!!

Dynamites

Dynamites का मुकाबला Killer Khiladis से हुआ। Dynamites ने पहले बैटिंग करते हुए 10 ओवर में 78 रनों का अच्छा स्कोर खड़ा किया। Killer Khiladis की तरफ से सतीश और कैलाश ने ओपनिंग की। वहीं Dynamites की ओर से पहला ओवर नारायण ने फेंका। Killer Khiladis के भारत ने इस मैच में सबसे ज़्यादा छक्के मारे लेकिन अपनी टीम को जिता नहीं पाए। Dynamites के योगेश ने

सबसे अच्छी बॉलिंग का प्रदर्शन करते हुए 7 रन देकर 3 विकेट लिए।

इस मैच में हमने बहुत मेहनत की थी। आने वाले मैचों में जितनी भी मेहनत करनी पड़ेगी करेंगें, अच्छा परफ़ॉर्मेन्स देंगें। मुझे लगता है इस मैच की तरह आने वाले मैचों में भी मुश्किल नहीं होगी।

योगेश, ऑल राउंडर

Thunder Storm

Thunder Storm का मुकाबला Blazing Boys से हुआ। Thunder Storm के कैप्टन उपेन्द्र ने टॉस जीता और फील्डिंग करने का निर्णय लिया।

Blazing Boys ने पहले खेलते हुए 70 रनों का लक्ष्य रखा। Thunder Storm की तरफ से ओपनिंग बैट्समैन के रूप में अकरम और उपेन्द्र मैदान पर आए। Blazing Boys की तरफ से सबसे अच्छी बॉलिंग अर्जुन ने की। उपेन्द्र ने प्रदीप की बॉल पर लगातार दो छक्के मारे और इस तरह उसने अपनी पारी में 24 बॉल पर 23 रन बनाए और नॉटआउट रहा। आखिर में जब टीम को जीतने के लिए केवल 4 रनों की ज़रूरत थी तब उपेन्द्र ने शानदार छक्का मारकर मैच को एक दिलचस्प मोड़ पर खत्म किया। Thunder Storm की टीम ने सिर्फ 7 ओवर 1 बॉल में लक्ष्य हासिल करते हुए अपनी टीम का स्थान फाइनल में पक्का कर लिया।

मुझे बहुत खुशी है कि मैं अच्छा प्रदर्शन कर पाया, हमें जो मौका मिला उसका हमने पूरा फ़ायदा उठाया। चन्द्रशेखर ने मैच को जिताने में अहम योगदान दिया। मैं फाइनल में भी अपनी टीम को जिताना चाहता हूँ।

उपेन्द्र, कैप्टन

Young Chargers

अंडर 14 का फाईनल मैच बड़ा ही रोमांचक रहा। आखरी बॉल तक दोनो टीम लड़ती रहीं। आखिर मे Young Chargers ने Blue Indians को केवल 2 रनों से हरा दिया। अंडर 14 के फायनल जीतने पर Young Chargers का जोश देखने लायक था। विनर टीम के कॅप्टन कुमार कुलवड़े ने कहा कि यह हमारी लगातार चौथी जीत है। इस जीत के लिए हम सभी ने बहुत मेहनत की, पहले से ही हमने ठान लिया था कि हम एक भी मॅच नहीं हारेंगे। कॅप्टन के तौर पर मैंने हर एक प्लेयर को सलाह दी। सुरेखा मॅडम, भावना मॅडम और हर्षद सर के मार्गदर्शन से हमारा परफ़ॉर्मन्स अच्छा रहा। मैच के दौरान कॅप्टन कुमार कुलवड़े और सूरज जाधव ने बेहतरीन परफ़ॉर्मन्स दी। Young Chargers टीम का कहना था कि फायनल में हारी हुई टीम ने उन्हें कड़ा मुकाबला दिया। लूज़र टीम के प्लेयर अमीन इनामदार ने कहा कि उन्हें इतने कम रनों से हारने का अफ़सोस है।

Mighty Warriors

मैं विशाल सिंह Mighty Warriors का कॅप्टन व विकेटकीपर हूँ। लीग मैचेस में हमारी टीम ने लगातार तीनों मैच जीते और अच्छे प्रदर्शन से मिले पॉइंटस की वजह से फायनल मे पहुँचे। हमारी टीम ने सभी मैचों में अच्छी गेंदबाज़ी और बल्लेबाज़ी का प्रदर्शन किया। हमारा स्टार गेंदबाज़ अर्जुन ओर स्टार बल्लेबाज़ आकाश है। अर्जुन ने एक मैच के दौरान एक ओवर में 4 विकेट लिए। हम फायनल के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। कोचेस द्वारा बताई गई तकनीक को ध्यान में रखकर हम तैयारी कर रहे हैं। मुझे मेरी टीम पर पूरा विश्वास है।

Raging Bulls

मैं रोहित नाडकर Raging Bulls का कॅप्टन हूँ। हमारा अभी तक का सफ़र बहुत ही आनंद भरा रहा। हमारी टीम ने तीन मैचेस खेले जिसमें से हमने दो मैच अच्छी बढ़त से जीते, जिसकी वजह से हम अब फायनल में पहुँच गए हैं। हमारी टीम के सभी खिलाड़ियों ने अभी तक मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया। मेरी अपेक्षा है कि ऐसा ही शानदार प्रदर्शन हम ब्रबॉन में भी दिखा सकें। हमारी टीम के ओपनिंग बल्लेबाज़ कुमार और अविनाश हैं। दोनों ही अच्छे फॉर्म में हैं और हमें अच्छी शुरुआत देंगे।

Halla Bol Reporters

ऐश्वर्या बाविस्कर - राजावाड़ी म्युनि. सेक. स्कूल, अरूणा पवार - राजावाड़ी म्युनि. सेक. स्कूल, प्रज्ञा दवंडे - राजावाड़ी म्युनि. सेक. स्कूल, कल्पेश मावकर - एन. एम. जोशी म्युनि. सेक. स्कूल, सिद्धेश जांभूळकर - भायखला म्युनि. सेक. स्कूल, सुष्मिता - कांदिवली म्युनि. सेक. स्कूल, मोहन - कांदिवली म्युनि. सेक. स्कूल, गणेश - दीक्षित रोड़ म्युनि. सेक. स्कूल, नताशा - भायखला म्युनि. सेक. स्कूल, अरबाज - सान्ताक्रूज म्युनि. सेक. स्कूल, प्रसाद - ताड़देव म्युनि. सेक. स्कूल

अन्य टीमों की जानकारी के लिए देखें पेज 5

विजयपथ

खाना ख़ज़ाना

माँ के हाथों के खाने की खुशबु से ही मुँह में पानी आ जाता है। खाना बनाने की कला ने घर की रसोई से निकलकर एक निपुण करियर का रूप ले लिया है।

आज के दौर में खाना बनाना एक कला के रूप में विकसित हो रहा है। कुकिंग इंडस्ट्री की मांग तेज़ी से बढ़ रही है। अच्छा खाना परोस कर लाखों दिलों को जीतने की तमन्ना रखने वालों के लिए सही जवाब है कुक (शेफ़, बावर्ची) का करियर।

शेफ़ के रूप में काम करने का मतलब सिर्फ स्वादिष्ट पकवान बनाना ही नहीं बल्कि एक शानदार करियर के रूप में लोगों की सेवा करने का मौका पाना भी है। कुकिंग इन दिनों एक उभरते हुए करियर के रूप में सामने आ रहा है।

एक शेफ़ के लिए खाना बनाने के विभिन्न तरीकों की जानकारी होना अति आवश्यक है।

होटल / रेस्तरां में खाना बनाने के अलावा पार्टियों का आयोजन, मेनू योजना, रसोई कर्मचारियों की निगरानी और आदेश देने का काम भी चीफ़ शेफ़ (कुक) का ही होता है।

संजीव कपूर, राकेश सेठी, मनहर जाफ़री का नाम सेलिब्रिटी शेफ़ के रूप में जाना जाता है। इन लोगों ने अपने जॉब के अर्न्तगत कुकिंग को एक हाई प्रोफाइल करियर का दर्जा दिया है।

शेफ़ करियर के लिए पात्रता (Qualification)

- 10वीं की परीक्षा पास करने के बाद खाना बनाने की कला (Food Craft) में डिप्लोमा लिया जा सकता है
- 10+2 के बाद डिग्री कोर्स लिया जा सकता है

अभिवृत्ति (Aptitude)

खाना बनाने में दिलचस्पी (Interest) होना, इस करियर के लिए सबसे ज़रूरी है।

साथ ही ज़रूरत है

- सेवा भाव (service) और अतिथि सत्कार (hospitality) की
- टीम के साथ कार्य करने की काबिलियत
- मुस्कुराहट के साथ सेवा करने का भाव

पाठ्यक्रम (Curriculum)

- कुछ मान्यता प्राप्त होटल प्रबंधन संस्थानों में एक साल का खाद्य उत्पादन (फूड प्रोडक्शन) कोर्स उपलब्ध हैं
- निजी कोर्सेज के अलावा नेशनल काउन्सिल ऑफ होटल मैनेजमेन्ट में केटरिंग स्टडी के लिए देश भर में तीन और चार साल के डिप्लोमा कोर्सेज उपलब्ध हैं
- इसके अलावा फूड प्रोडक्शन, बेकरी, बेवरेज सर्विस में डिप्लोमा कोर्सेज भी उपलब्ध हैं
- साथ-साथ 10+2 के पूरा होने के बाद होटल मैनेजमेन्ट का कोर्स भी किया जा सकता है

करियर विकल्प (Job Opportunities)

- होटल, मिल, रेस्तरां में नौकरी
- हवाई जहाज़ में केटरिंग (Air Catering)
- रेलवे केटरिंग (Railway Catering)
- आर्मी केटरिंग (Army Catering)
- खाद्य प्रसंस्करण (Food Processing)
- कम्पनियों में केटरिंग (Corporate Catering)
- मॉल, मेस किचन, रेस्तरां, हॉस्पिटल, क्रूज़ (जहाज़)

इसके अलावा

- आप भोजन सम्बन्धित पुस्तकों के लेखक बन सकते हैं
- आप इस विषय के प्रोफेसर या स्पेशल लेक्चरर भी बन सकते हैं
- या अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं

वेतन (Salary)

- कुकिंग करियर में अलग-अलग पदों के लिए वेतनमान (Salary) अलग हो सकता है।
- एक ट्रेन्ड शेफ़ (प्रशिक्षण प्राप्त) प्रति महीने 10,000 से 15,000 रूपये कमा सकता है
- 10 वर्षो का अनुभव प्राप्त शेफ़ पांच सितारा होटल में प्रति महीने 40,000 से 50,000 रूपये कमा सकता है
- पद बढ़ने के साथ वेतन में भी वृद्धी होती है। तब आप 1 से 2 लाख रूपये तक प्रति माह भी कमा सकते हैं
- आई.टी.सी. की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार मोर्य शेरेटन के एक्ज़िक्युटिव पेस्ट्री शेफ़ को 52 लाख रूपये और मराठा शेरेटन के एक चीनी शेफ़ को 50 लाख रूपये तक का शानदार पैकेज मिलता है

होटल उद्योग में रोज़गार की अन्य संभावनाएँ

फ्रेश ग्रेजुएट के लिए कई दिलचस्प और आकर्षक रोज़गार अवसर हैं

- होटल या रेस्तरां प्रबंधन, एयरलाइन्स, क्लब, क्रूज़, हॉस्पिटल, फॉरेस्ट लॉज, गेस्ट हाउस आदि

होटल में कई प्रकार के विभाग होते हैं जैसे कि

- ऑफ़िस (Management)
- हाउसकीपिंग (Housekeeping)
- सेल्स एण्ड मर्किटिंग (Sales & Marketing)
- इंजिनियरिंग एण्ड मैंटेनेन्स (Engineering and Maintenance)
- सिक्योरिटी डिपार्टमेन्ट (Security Department)

मुम्बई के प्रसिद्ध होटल मैनेजमेन्ट इंस्टीटयूट्स

- इंस्टीट्यूट आफ होटल मैनेजमेन्ट, केटरिंग टेक्नोलॉजी एण्ड अप्लाइड न्यूट्रीशन (दादर केटरिंग कॉलेज), मुम्बई
- सोफिया पोलिटेक्निक, मुम्बई
- अन्जुमन-ए-इस्लाम ए. के. हफीज्का
- एस. एन. डी. टी. वूमेन्स युनिवर्सिटी, मुम्बई
- रिज़वी कॉलेज ऑफ होटल मैनेजमेन्ट एण्ड केटरिंग टेक्नोलॉजी, मुम्बई

HEROES OF THE MONTH

Every day I see many beggars and feel very sad for them. I distribute my pocket money to them on my way home. Once I saw a beggar with a big wound on his shoulder which was covered with lots of flies on it. It was raining and he was shivering with cold. Next day I took my dad's shirt and pant and gave it to him. The beggar was very happy and blessed me. My brother also gives biscuits and at times his pocket money to beggars.

Dimple Ravinder Malhotra
I.C.L. High School

कुईकुई असा आवाज येत होता. आवाज येतोय तिथे जाऊन मी पाहिले. एक कुत्र्याचे लहान पिल्लू तिथे तळमळत होतं, त्याला जखम झाली होती, तो रक्तबंबाळ अवस्थेत तिथे होता. त्याला घरी नेऊन मी आंघोळ घातली, त्यावर औषधोपचार करून पट्टी बांधली. आता तो बरा आहे. मला फार समाधान वाटते की माझ्याकडून एक चांगले काम घडले.

श्रद्धा घोलप, शिवाई विद्यामंदिर सुपर आर्मी

जीवन के कुछ ऐसे कार्य होते हैं जिन्हें करने के बाद हमें अत्यधिक प्रसन्नता होती है। मैंनें भी एक ऐसा ही कार्य किया। 5 अक्टूबर 2009 को मैं बस से अपने घर जा रहा था। कुछ देर बाद एक व्यक्ति मेरे बगल में आकर बैठा। हम ट्रैफ़िक जाम में फँसे हुए थे। तब ही उस व्यक्ति ने तम्बाकू (गुटखा) का पैकेट निकाला और खाया। कुछ समय बाद उसके मुहँ से आ रही गंदी बदबू की वजह से मुझे उल्टी जैसा लगने लगा। मैं अपने आपको रोक नहीं पाया और डरते-डरते उस व्यक्ति से कहा कि अंकल आप जो कर रहे हैं उससे बहुत हानि पहुँचेगी। उन्होंने गुस्से से कहा, दिमाग मत खराब कर अपना काम कर। मैंने भी अपने मन में ठान लिया कि आज मैं इनसे तम्बाकू, गुटखा छुड़वाकर ही रहूँगा। फिर मैंने उन्हें तम्बाकू के दुष्परिणामों से अवगत कराया। मेरी बात सुनकर वह हँसे और बोले बच्चे तुझे मालूम नहीं कि यह खाने से शक्ति मिलती है। तू भी जब बड़ा होगा तो यही खाएगा। मैंने उनसे कहा ज़रा सोचिए कि यदि आप इस पैसे को बचाएँगे तो कहाँ से कहाँ पहुँच जाऐंगे। अंकल ने थोड़ी देर तक विचार करने के बाद मुझे धन्यवाद देते हुए कहा, मेरे दोस्त तूने तो आज मुझे मेरे ही फ़ायदे की बात बता दी। अब मै कभी तम्बाकू नहीं खाऊँगा। उनकी इस बात को सुनकर मैं काफ़ी खुश हुआ।

आलोक प्रजापति, शक्ति सेवा हाई स्कूल सुपर आर्मी

इसमें है दम

ए. आर. रहमान, इस नाम को किसी प्रकार के परिचय की आवश्यकता नहीं है। रहमान ने भारतीय संगीत को एक नई दिशा दी है। रहमान आज सिर्फ भारत के लिए ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए गर्व का प्रतीक बन गए हैं।

12 जनवरी 2009 को लॉस एंजिलस् (अमेरिका) में आयोजित प्रतिष्ठित ऑस्कर अवार्ड (Oscar Award) के भव्य समारोह में ए. आर. रहमान गोल्डन ग्लोब (Gloden Globe) अवार्ड पाने वाले पहले भारतीय बने। सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का सम्मान उन्हें फिल्म स्लमडॉग मिलीनेयर (Slumdog Millionaire) के लिए दिया गया।

लेकिन क्या आप जानते हैं ये सब कैसे संभव हो सका? उनके इस दमदार संगीत के पीछे क्या रहस्य है? आओ इस बारे में जानते हैं।

वर्ष 1991 की बात है - तमिल फिल्म निर्देशक मणिरत्नम अपनी नई फिल्म के लिए संगीतकार तलाश रहे थे। विज्ञापन जगत के एक अवार्ड फंक्शन में मणिरत्नम ए. आर. रहमान से मिले, जहाँ उन्हें लिओ कॉफी (Leo coffee) के विज्ञापन का गाना (Jingle) बनाने के लिए बेस्ट अवार्ड दिया जा रहा था। रहमान के बारे में जानकर मणिरत्नम उत्साहित हो गए और रहमान से संगीत के कुछ नमूने देने के लिए कहा। उन्होंने मणिरत्नम को अपने स्टूडिओ में बुलाया। वहाँ 24 वर्षीय रहमान ने अपनी बनाई हुई एक धुन मणिरत्नम को सुनाई। इस धुन ने मणिरत्नम का मन मोह लिया और उन्होंने तुरंत ही रहमान को अपनी नई फ़िल्म में संगीत देने के लिए आमन्त्रित किया।

इस तरह एक नए इतिहास की रचना हुई। और फिर रहमान ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। आज वह विश्व के सबसे ज़्यादा सुने जाने वाले संगीतकारों में गिने जाते हैं।

ए. आर. रहमान का बचपन

रहमान का जन्म ए. एस. दिलीप कुमार के रूप में 6 जनवरी 1966 को मद्रास (चेन्नई) में संगीत से जुड़े हुए एक परिवार में हुआ। उनके पिता आर. के. शेखर मलयालम फिल्मों में व्यवस्थापक (Arranger & Conductor) के तौर पर कार्य करते थे।

दिलीप (ए. आर. रहमान) ने 4 वर्ष की उम्र से ही पियानो सीखना शुरू कर दिया। जब वह 9 वर्ष के थे तब उनके पिता का रहस्यमय बीमारी के कारण देहान्त हो गया। घर-परिवार की पूरी ज़िम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। इस दौरान वह इस्लाम धर्म से प्रभावित हुए। 10 साल के बाद उनके परिवार ने भी इस्लाम धर्म अपना लिया।

Famous films by Rahman

- Slumdog Millionaire
- Rangeela
- Dil Se
- Lagaan
- Taal
- Saathiya
- Rang De Basanti
- Jodha Akbar
- Jaane Tu Ya Jaane Na
- Ghajini

11 वर्ष की उम्र में वह **की-बोर्ड प्लेअर** के रूप में संगीत निर्देशक इल्लेयाराजा के ग्रुप का हिस्सा बने। रहमान की माँ करीमा बेगम ने उन्हें पिता के नक्शे कदम पर चलने के लिए प्रेरित किया। लेकिन इन सब बातों का प्रभाव उनकी शिक्षा (Education) पर पड़ा। स्कूल में कम हाज़िरी और स्कूल मैनेजमेन्ट के रूखे व्यवहार के कारण रहमान को प्रतिष्ठित स्कूल पदम सेशाद्री बाल भवन को छोड़कर मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज में एडमिशन लेना पड़ा। आखिरकार उन्हें वहाँ से भी स्कूल छोड़ना पड़ा।

शुरूआती करियर

रहमान ने लगभग 5 वर्षों तक विज्ञापन के क्षेत्र में काम किया और वहाँ 300 से ज़्यादा धुनें कम्पोज़ कीं।

कुछ प्रसिद्ध विज्ञापन

- टाइटन (Titan)
- बूस्ट (Boost)
- एशियन पेन्टस (Asian Paints)
- हीरो-पुक (Hero Puch)

इस दौरान उन्होंने कई पुरस्कार भी जीते।

1989 में रहमान ने अपने घर में ही पंचाथन रिकॉर्ड इन (Panchathan Record Inn) नामक स्टूडियो की शुरुआत की। आज यह स्टूडियो एडवान्स्ड् रिकार्डिंग में भारत में प्रथम स्थान पर है। इसी स्टूडियो में रहमान ने साऊन्ड इंजिनियरिंग, डिज़ाइन एण्ड प्रोडक्शन के नए प्रयोग किए। उन्होंने साऊन्ड सैम्पल का संग्रह भी शुरू किया जिसने आज एशिया के सबसे बड़ा ध्वनि पुस्तकालय (कॉम्प्रेसिव सोनिक लाइब्रेरी) का रूप ले लिया है।

टाइम पत्रिका ने ए. आर. रहमान को मद्रास का मोजार्ट (Mozrat of Madras) नाम से नवाज़ा है और 2009 में विश्व के 100 सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों की सूची में स्थान दिया है। इसके अलावा तमिल लेखकों ने भी उन्हें इसेइ-पूयाल (Music Storm) का खिताब दिया है।

रहमान की शादी सायरा बानो से हुई और उनके तीन बच्चे (खदीजा, रहीमा, आमीन) हैं।

रहमान अपनी माँ करीमा बेगम को अपना प्रेरणा स्त्रोत मानते हैं।

समाज सेवा

गरीबी को इतिहास बनाना इस ऑस्कर अवार्ड विजेता का सपना है। ए. आर. रहमान फ़ाऊन्डेशन इस दिशा में उनका पहला कदम है। इसके ज़रिए वह ऐसे शिक्षण संस्थानों की स्थापना कर रहे हैं जो गरीब बच्चों को विश्व स्तरीय अत्याधुनिक सुविधाएँ और शिक्षा उपलब्ध करा सकें। इसके साथ उन्हें सुखद भविष्य का निर्माण करने का मौका भी उपलब्ध करा सकें।

बालकदिनाच्या दिवशी प्राचार्य राजेन्द्र म्हात्रे यांच्या प्रेरणेने मुलांनी तंबाखूपासून दूर राहावे यासाठी तंबाखू विरोधी पोस्टर मेकिंग आणि समूहगीत स्पर्धा संदेश विद्यालयात आयोजित झाली. तर इंदिरा गांधी जयंतीनिमित्त शाळेत सर्व विद्यार्थ्यांना तंबाखू विरोधी व्हिडिओ क्लीप दाखविण्यात आली.

युथ फंडा

युथ क्लब म्हटले की आपल्या नजरेसमोर येतो तरुण-तरुणींचा एक घोळका, मग असे घोळके कॉलेजच्या कट्ट्यावर असतात तर बसस्टॉपवर. कॉलेजच्या दिवसांत असे अनेक क्लब तरुणांना आकर्षित करतात. परंतु या तरुणाईच्या क्लब्सना जर समाजसेवेची साथ असेल तर सोने पे सुहागा.

आज देशात तरुणाताईला व्यसनाधीनतेचे जे क्रेझ लागले आहे. अशा वाईट सवयींना आळा घालण्यासाठी सलाम बॉम्बे फाउंडेशन कार्यरत आहे. सरकारने कायदे निर्माण केले आहे. परंतु त्याची अंमलबजावणी केली जात नाही. आपण स्वत: ठरवल्याशिवाय काही गोष्टी बदलणे शक्य नाही. म्हणूनच आम्ही महाविद्यालयीन विद्यार्थी-विद्यार्थिनी सलाम बॉम्बे फाउंडेशनच्या माध्यमातून युथ क्लबद्वारे व्यापकपणे तंबाखू व

तंबाखूजन्य पदार्थांच्या विक्रीवर व खाण्यावर विरोध करीत आहोत.

युथ क्लबने तंबाखूला या जगातून नष्ट करण्यासाठी व या देशाच्या भविष्याचा विचार करून महाविद्यालयीन पातळीवर ही लढाई अधिक तीव्र केली आहे. तुम्हाला प्रश्न पडला असेल की अनेकदा सरकारी उपक्रम अपयशी ठरतात. त्यांची अंमलाबजावणी होत नाही. मग आमचा ३०-४० जणांचा युथ क्लब तंबाखूविरोधात कसा लढा देणार?

मित्रांच्या आग्रहाखातर किंवा Fashion म्हणून सिगरेट, तंबाखूच्या व्यसनांना तरुण बळी पडतो. परंतु उलट जर मित्रांच्या चार समाजुतीच्या गोष्टींमुळे काही तरुण तंबाखू पदार्थांपासून दूर राहू शकतील. हीच या युथ क्लबची मुख्य संकल्पना आहे. आमच्या ह्या क्लबमध्ये अनेक महाविद्यालयांच्या विद्यार्थ्यांचा समावेश आहे. गेल्या वर्षी २ ऑक्टोबरला आलेल्या अध्यादेशानुसार सर्व कामाची ठिकाणे आणि खुल्या सार्वजनिक ठिकाणी धूम्रपानास बंदी घालण्यात आली. ह्याबाबत कॉलेज युवकांमध्ये जाणीव जागृती व्हावी म्हणून युथ क्लबच्या सदस्यांनी आपल्या कॉलेजमध्ये २ ऑक्टोबरला व संपूर्ण आठवडाभर स्मोक फ्री वीक साजरा केला.

नवनाथ बोचरे
कोअर ग्रुप मेंबर, युथ क्लब

महाराष्ट्रातील संस्थांची तंबाखू विरोधी एकजूट

आम्हीही तयार आहोत तंबाखू विरोधी लढायला हे म्हणणे आहे महाराष्ट्रातील दोनशेहून अधिक सामाजिक संस्थांचे.

समाजातील प्रत्येक घटकाला तंबाखूच्या विरोधात माहिती पोचविण्यासाठी शालेय मुलांसोबतच सलाम बॉम्बे फाउन्डेशन बेस्ट परिवहन विभाग, पोलीस, मीडिया ह्या यंत्रणांसोबत कार्यरत आहे. त्याबरोबरच गेल्या वर्षापासून महाराष्ट्रातील विविध सामाजिक संस्थांना ट्रेनिंग देऊन तंबाखूविरोधी लढ्यासाठी सज्ज केले जात आहे. ह्यावर्षी

नागपूर, भंडारा, गोंदिया, पुणे, जळगाव, धुळे आणि नंदुरबार जिल्ह्यातील एकूण १५३ सामाजिक संस्थांना तंबाखू नियंत्रणाबाबत प्रशिक्षण देण्यात आले.

ट्रेनिंगनंतर सामाजिक संस्थांना कळले की तंबाखू ही एक मोठी समस्या आहे. त्यांनीही ठरवले आहे की तंबाखू विरोधी लढाई ते आता त्यांच्या त्यांच्या क्षेत्रात लढणार आहेत. आता आपला महाराष्ट्रच तंबाखू राक्षसाला संपवण्यास सज्ज झाला आहे.

मेडिकल स्टोर पर तम्बाकू की बिक्री प्रतिबंधित!

World News

सैन फ्रांसिस्को (अमेरिका) विश्व का पहला ऐसा शहर है जहाँ फार्मासिस्ट्स चैम्पियन नाम के कानून के अन्तर्गत सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पादों के दवाई की दुकानों पर बेचे जाने पर प्रतिबंध लगाया गया है।

अब स्टुअर्ट स्कोरमैन, सैन फ्रांसिस्को शहर के उद्योगपति और कई दवाई की दुकानों के मालिक इसके बिलकुल विपरीत चाहते हैं। उनका कहना है कि तम्बाकूजन्य पदार्थों को सिर्फ दवाई की दुकानो पर ही बेचा जाना चाहिए।

स्कोरमैन जिन्होंने नॉनप्रोफिट संगठन Healthy Pharmacies.org की शुरूआत की है, उनका विचार है कि ऐसा करने से फॉर्मेसी के द्वारा सिगरेट की बिक्री को नियन्त्रण में लाया जा सकता है। और सिगरेट पीने वाले ग्राहकों को व्यसन मुक्ति के तरीकों के बारे में सही जानकारी भी दी जा सकती है।

स्कोरमैन का कहना है कि यह तरीका खासतौर से बच्चों के भविष्य के लिए अच्छा साबित होगा। 12 वर्ष तक की उम्र के बच्चों से तम्बाकू दूर रखने से न केवल लाखों जिन्दगियाँ बचेंगी बल्कि स्वास्थ्य विभाग के अरबों डॉलर की बचत भी होगी।

स्कोरमैन चाहते हैं कि यह प्रयोग कुछ और शहरों में भी किया जाए जिसकी तुलना अन्य शहरों से की जाए। इसके द्वारा पता लगाया जा सकेगा कि यह प्रतिबंध कितना फायदेमंद है।

Daredevils (Under 17)

Arun Anand, Shaktivel Sambat, Mo. Aassif Ansari, Talkeshwar, Nagarjun Konda , Ganesh Merale, Kailash Bhutale, Ankesh Patare, Dipak Vichare, Mandar Gavde, Pankaj Yadav, Ambrika Yadav (Captain), Sachin mashetty, Devanand, Sagar Kambale.

Kings 11 (Under 17)

Krishna Mishra, Ramesh Rajanna , Naresh Butkar, Ziyant Ran, Sudhir Sahani, Yogesh Mishra, Sonu Paswan, Shyam Sahani (Captain), Dinesh Prajapati, Louis Anthony, Tanmay Naik, Amin Shiekh, Satej Gaikwad, Suraj, Nikhil Patil.

Incredible Fighters (Under 14)

Nilesh Sable (Captain), Akash K. Sonkar, Rupesh Ramchandra Nadakar, Gaurav B. Ambovkar, Ahsan Sheikh, Kuldeep Singh, Anuj Pal, Ketan Jambale, Prashant Parab, Vishal Dangale, Shamshui Miean Sh. Md. Abbas, Girish Pawar.

Bindaas Badshahs (Under 14)

Akshay Madane, Sumit Gaikwad, Madhav Shanbag, Pavan Dagde, Piyush Pawar, Sumit Waghmare, Sahil Pawar, Aniket Patil, Amok Kadve, Digvijay Khole, Nikhil Pawar.

Blue Indians (Under 14)

Shivam Shukla, Amin Inamdar, Umesh Dhokle (Captain), Sunil Polampalli, Bharat Jadhav, Vishal Ghadi, Abhishek Nikam, Akash Gojare, Akshay Jadhav, Akshay Dudam, Shaheb Nazim Ali, Suraj Jaiswal, Swapnil Sakpal, Bhavesh Arora, Abhisek Yadav.

Killer Khiladis (Core)

Tushar Kulwade, Satish Narayan, Kailash Salap, Lakhan Shinde, Roshan Jawle, Bhavesh A. Shelar, Vinayak V. Bamgude, Amar Sudrik, Imran Khan, Pradeep Pandey, Chetan Bagde, Ketan wishwkarma, Rizwan S. Mohd., Rishikesh Parkar.

Challengers (Core)

Bhavnesh Bhor, Amit Dighe, Janaradhan Meher, Amir Bhandare, Akash Payal, Rohan Gaikwad, Amit Shelar, Omkar Chaughale, Chandan Rajbhar, Sanket Jagtap, Rahul Kandu, Mehbub Shaikh, Pratik Bendre.

Blazing Boys (Core)

Arjun Singh (Captain), Vijay Valmiki, Pradeep Kanojiya, Laluprasad Yadav, Pramod Kargutakar, Milind Thakur, Amit Bhingare, Akshay Kamble, Sushant Rane, Abhijeet Gaikwad, Naresh Surgude, Abhijeet Surgude, Sagar Shivagan, Saurav Shinde.

हमारा मंच

आतिश शिन्दे
नरेपार्क
म्युनि.सेक.स्कूल

पूजा करकरे
साधना विधालय

- तंबाखू म्हणजे दोन मिनिटांची मजा, नंतर जीवनभराची सजा
- तंबाखूची साथ म्हणजे यमाशी गाठ
- जो करेल तंबाखूशी मैत्री, त्याला लागेल मृत्यूची कात्री

नयन नीतीन प्रभू
चारकोप सेक्टर १ मनपा सेकंडरी स्कूल
सुपर आर्मी

रिन्की खन्ना
डा.राधाकृष्णन
स्कूल

Cigarette is for smoking
Tobacco is for chew
But if you don't listen and
stop now
Years of your life will be very few

S. Chandralekha
Malad Municipal Sec School

प्रीति पटेल
अंधेरी टाटा
कम्पाउन्ड
म्युनि.स्कूल

बातमी ऐकायला सर्व जमली,
आमची मुंबई शांघाय बनली.
प्रत्येक जण उत्सुक या शांघाय मुंबईकडे,
माणूसच माणूस सगळीकडे.
'शांघाय मुंबईत' शोधतोय जो तो निवारा,
बोले जय भारत देश हमारा.
अचानक बादल आले, पत्यांचे शांघाय पडले,
शांघाय होता होता धारावी बनले.
पत्यांच्या बंगल्यावर काळे ढग अवतरले,
पावसाने झोडपले, बॉम्बस्फोटाने हादरले.
मनात येतात कधी कधी विचार,
आमची मुंबई कधी बनेल शांघाय.

अश्विनी खंडागळे, प्रभात कॉलनी मनपा सेकंडरी स्कूल सुपर आर्मी

हेतल परमार
साधना विद्यालय

माझी आई

दुःखात हसवी, सुखात झुलवी गाऊनी गोड अंगाई.
जगात असे काहीही नाही, जशी माझी प्रिय आई.
ठेच लागता माझ्या पायी, वेदना होई तिच्या हृदयी.
तेहतीस कोटी देवांमध्ये श्रेष्ठ मला माझी आई.

संचिता पवार
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मनपा सेकंडरी स्कूल
सुपर आर्मी

सिद्धेश शिन्दे
शिवाई विद्यालय.

ऐ लोगों अगर प्यारी है तुमको तुम्हारी जान
तो मत खाओ तम्बाकू, सिगरेट और पान।।
जिसको लगी हुई है इन सब की आदत
वह नहीं कर पाएगा अपनी जिंदगी की हिफाजत।।
तम्बाकू, गुटखा और सिगरेट तो हैं एक
लेकिन इनसें होती हैं बिमारियां अनेक।।
जो खाते हैं इनको, वह लगाएं जरा ध्यान
होता है इनसे केसंर,जिससे जाती है जान।।

आमीरूददान नईमुददान
मालाड मनपा सेकंडरी स्कूल सुपर आर्मी

कानून बोले तो

अच्छी सेहत के लिए सेहतमंद खाना बहुत ज़रूरी है। पर दूध हो या मिठाई, आजकल सभी में मिलावट की खबर मिलती है। क्या हम घर लाए हुए पदार्थों में मिलावट का पता लगा सकते हैं? हाँ, हम जान सकते हैं। नीचे दी हुई जानकारी हमें पदार्थों की मिलावट जाँचने में मदद करेगी।

- ठंड में गरम-गरम चाय हमें भाती है। पर चाय पत्ती में कृत्रिम रंग मिलाई हुयी हल्की चाय पत्ती मिलाते हैं। चाय पत्ती में की गई मिलावट को हम पहचान सकते हैं। गीले सफ़ेद कागज़ पर चाय पत्ती छिड़कने पर यदि वह कागज़ पीला या लाल हो जाए तो समझ लें कि उसमें मिलावट है।
- मक्खन और घी में मिलावट करने के लिए हायड्रोजनकृत वनस्पति मिलाया जाता है। हायड्रोक्लोरिक एसिड में एक चम्मच चीनी घोटकर उसमें मक्खन या घी मिलाकर एक मिनट तक हिलाएँ। अगर उस घी या मक्खन में मिलावट है तो वह लाल पड़ जाएगा।
- हींग में मिलावट करने के लिए गोंद और रंग मिलाया जाता है। हींग पानी में मिलाने के बाद यदि पानी दूधिया सफ़ेद रंग का बन जाता है तो हींग शुद्ध स्वरूप में होती है।
- ध्यान रखना होगा कि कॉफी हमेशा ठंडे पानी में ड़ालने के बाद नीचे जाती है। पर यदि उसमें मिलावट हो तो वह पानी में ऊपर रहती है।
- जीरे में घास के बीज या कोयले की धूल मिलायी जाती है। मिलावटी जीरे को हाथों पर मलने से हाथ काले हो जाते हैं।
- केले और आम जल्दी पकें इसलिए उन पर कार्बाइड की इथीलीन गैस छोड़ी जाती है।
- करेला और भिंडी ज़्यादा हरे लगें इसलिए उन्हें कॉपर सल्फ़्युरिक एसिड में डुबोया जाता है।
- बैंगन को चमकीला बनाने के लिए किसी भी प्रकार का तेल उस पर लगाया जाता है।
- सेब को और भी आकर्षक बनाने के लिए उन पर मोम का पतला स्तर चढ़ाया जाता है।
- आपको यह सुनकर यकीन नहीं होगा कि गाजर को लाल दिखाने के लिए लाल रंग में डुबोया जाता है तथा तरबूज़ (कलिंगड़) को चटकदार लाल दिखाने के लिए उसे गुलाब का इंजेक्शन देते हैं।

अगर आपको खाने की चीज़ों में मिलावट का पता चले तो आप FDA यानि अन्न और औषधि प्रशासन को सूचित कर सकते हैं। और वो मिलावट करने वालों पर कारवाई करेंगे। हमारे और FDA के सहयोग से गुनहगारों को कानूनी सज़ा हो सकती है।

FDA कार्यालय का पताः आयुक्त, अन्न और औषधि प्रशासन, बांद्रा-कुर्ला कॉम्पलेक्स, बांद्रा (पश्चिम), मुंबई। फोनः 022 26592207

हाथों में बंदूक, बम लेकर दूसरों को तकलीफ़ देने वालों में से हम नहीं। हम तो हमारे कौशल को लड़ने का हथियार बनाकर जंग जीतने वालो में से हैं। सही है न दोस्तों? सुपर आर्मी के पिछले सत्र में हमने अपने गुण और आत्मविश्वास का महत्त्व जाना। पर केवल इनसे हम तम्बाकू के खिलाफ़ जंग नहीं लड़ सकते। समाज को जागृत करने के लिए संवाद कौशल का होना भी आवश्यक है। संवाद कौशल यानि हम जब किसी के साथ बात करते हैं तो वह बात इस तरीके से बताएं कि तुरंत समझ में आ जाए।

इसके लिए हमें मीड़िया के साथ किस तरह काम करना है यह कक्षा 9वीं में जानेंगे।

आप अपने दोस्त को A टू Z तक पहले कॅपिटल में और बाद में स्मॉल लेटर में लिखने को कहें; वह यह चीज़ आसानी से लिखेगा। पर एक लेटर कॅपिटल तथा दूसरा स्मॉल में यानि की AbCdEf इस तरह लिखने को कहें तो वह आसान नहीं होगा। हमें जिस चीज़ की आदत है वह हम आसानी से कर सकते हैं। पर आदत से उल्टा करने में तकलीफ होती है। अगर किसी को तम्बाकू सेवन की बुरी आदत लगे और उसे उसका उल्टा करने को यानी आदत छोड़ने कहा जाए तो उसे परेशानी होगी। इसलिए हमें चाहिए कि जीवन में बुरी आदतें न अपनाएँ। यह बात हम इस सत्र में सीखते हैं।

बंदूक से नहीं, बातों से जीतेंगे हम लड़ाई

हमने इस सत्र में जाना कि हम अपनी बातें सही तरीके से लोगों तक कैसे पहुंचा सकते हैं।

- बात करते समय अपनी आवाज़ सभी को सुनाई देनी चाहिए।
- बड़े ग्रुप में सभी को देखते हुए बातें करें।
- आवाज़ में उतार-चढ़ाव हो।
- हावभाव के साथ बात करें, तभी दूसरों को हमारी बातें समझने में आसानी होगी।
- जिस विषय पर बात करें उसका सही ज्ञान होना बहुत ज़रूरी है।
- अच्छी भाषा का प्रयोग और आत्मविश्वास हो।

दोस्तों हमने प्रसार माध्यम यानि मीड़िया के बारे जाना जो कि संवाद का एक महत्त्वपूर्ण अंग है। न्यूज़ पेपर, किताबें, पोस्टर्स प्रिन्ट मीड़िया और टेलिव्हिज़न, रेडिओ, ई-मेल, टेलिफ़ोन इलेक्ट्रॉनिक मीड़िया का हिस्सा हैं। पर आजकल हम देखते हैं कि इलेक्ट्रॉनिक मीड़िया तम्बाकू का छुपे तरीके से प्रचार कर रहा है जो कि गलत है।

जिन्हे तम्बाकू की आदत लगी हैं; वह कैसे छुड़वा सकते हैं।

- घोषणा करें (Declaration): तम्बाकू छोड़ने की तारीख की घोषणा अपने दोस्त, रिश्तेदारों के सामने करें।
- परिहार (Avoid): उन लोगों तथा जगहों से दूर रहें जो तम्बाकू सेवन के लिए आपको उकसाएं।
- कोई ऐसी आदत अपनाएं; जिससे हाथ व्यस्त रहें।
- तम्बाकू सेवन की इच्छा होने पर 100 से 1 तक अंक (गिनती) गिने।
- तम्बाकू सेवन की इच्छा होने पर अपने पहले के खुशी के पलों को याद करें।
- कसरत जैसे दौड़ना, रस्सी कूदना, प्राणायम, आदि करें।
- पानी पीएं: पानी पीने से तम्बाकू के जहरीले रसायन शरीर से बाहर निकल जाते हैं।
- तम्बाकू सेवन की इच्छा होने पर तम्बाकू की जगह सेहतमंद पदार्थों का सेवन करें जैसे मूँगफली।
- दोस्तों के साथ अपने विचारों तथा भावनाओं की चर्चा करें।
- इनाम दें: तम्बाकू सेवन छोड़ने पर खुद को इनाम दें; पर यह पैसे के रूप में हो यह जरूरी नहीं।
- औषधि: जब आप ऊपरी तरीकों से तम्बाकू छुड़ाने में नाकामयाब रहें तो मेडिकल हेल्प लें।

अगर कोई हमें बुरी आदत लगाना भी चाहे तो हम नीचे लिखे तरीकों से उन्हे नहीं कह सकते हैं -

1. स्पष्ट ना कहकर कि मैं तम्बाकू नहीं खाऊँगा/गी।
2. तम्बाकू पदार्थ देने वाले से दूर रहकर।
3. अगर तम्बाकू पदार्थ देने वाले मिलें तो उन्हें दूसरी बातों में उलझाकर।
4. उसकी बात को मज़ाक में उडाकर।
5. उस व्यक्ति को तम्बाकू के खतरनाक रोगों का परिचय करवाके उसे भी तम्बाकू से दूर रखकर।

सुपर आर्मी का यह हमारा अंतिम सत्र है; इसके बाद हमारी तम्बाकू के खिलाफ़ जंग शुरू होगी। अब हम नाटक, गाना, पोस्टर बनाकर अपने स्कूल व समाज में जागरूकता लाएंगे। इस अच्छे कार्य के लिए आपको All the best.

तम्बाकू के खिलाफ अपने साथ
स्वास्थ्य विभाग और FDA

स्वास्थ्य ही जीवन का असली धन है जिसकी देखभाल करना बहुत ज़रूरी है। पर 40% कॅन्सर की बीमारियाँ तम्बाकू की वजह से होती हैं। इसलिए तम्बाकू को खत्म करने के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ काम करना ज़रूरी है।

अलग-अलग बीमारियों का इलाज, उनका नियंत्रण तथा संशोधन यह स्वास्थ्य विभाग का काम है। स्वास्थ्य यानि क्या? भारत और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशासन की रचना तथा कार्य क्या होता है, तम्बाकू नियंत्रण के लिए भारत का स्वास्थ्य विभाग क्या काम करता है यह जानकारी हमें अॅडव्हकसी के इस अंतिम सत्र में मिलती है। तम्बाकू को मिटाने के लिए हम स्वास्थ्य विभाग की मदद कैसे ले सकते हैं उन्हें मदद कैसे दे सकते हैं, इसके बारे में हमें जानकारी भी इसी सत्र में मिलती है।

FDA यानि अन्न और औषधि प्रशासन। यह भारत सरकार का तम्बाकू नियंत्रण के लिए एक महत्त्वपूर्ण विभाग है। लोगों को अच्छा और बिना मिलावट वाला अन्न और औषध कम दामों में मिले इसलिए यह विभाग कार्य करता है। इसी प्रकार FDA को सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पादन कानून, 2003 को समाज में लागू करने की ज़िम्मेदारी भी सौंपी गयी है। इसलिए इस विभाग की पूरी जानकारी लेना बहुत ज़रूरी है। FDA का रोल, उसकी रचना, उसके कार्यालय आदि के बारे में हम इस सत्र में जानकारी लेते हैं।

चार सत्रों में हमने सरकार, मीड़िया, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग और FDA इन चार सत्रों की जानकारी ली है। अभी हमें इनके साथ मिलकर तम्बाकू के राक्षस को जड़ से मिटाना है।

SUDOKU

इस पहेली को सुलझाएं और अपने नाम के साथ आपके स्कूल में आने वाले सलाम बॉम्बे फ़ाउन्डेशन के सर / मॅडम को दें। लकी ड्रॉ में चुने गए तीन सही जवाबों को हमारी तरफ़ से पुरुस्कार दिया जाएगा।

		3	6		4	1		
	8	6					2	
1			2	8			7	6
8				2		9		1
		9	8		5	7		
5		1		6				3
6	5			3	8			7
	9					5	1	
		8	5		2	6		

आपका नामः ....

स्कूलः ....

कक्षाः ....

क्या आपको पता है कि सुडोकु कैसे खेला जाता है?

सुडोकु खेलने के लिए ना ही जोड़ या घटाव की या गणित की ही ज़रूरत है; इस खेल में आपको अंकों को सही खानों में लिखना है। खेलते समय नीचे दी गयी बातें ध्यान में रखें -

- एक चौकोन में 9 खाने होते हैं और 9 चौकोन से सुडोकु तैयार होता है।
- हर चौकोन के 9 खानों में 1 से 9 तक अंक भरने हैं।
- पर याद रखें कि खड़ी और आड़ी लाइन में 1 से 9 तक अंक ऐसे लिखें जो कि रिपीट नहीं होने चाहिएँ।

पिछली बार का सुलझा हुआ सुडोकु

8	1	3	2	9	4	5	7	6
2	4	7	1	6	5	3	9	8
9	5	6	8	7	3	2	4	1
7	3	9	6	8	1	4	2	5
4	8	5	7	3	2	1	6	9
1	6	2	5	4	9	7	8	3
3	2	8	4	5	6	9	1	7
5	7	1	9	2	8	6	3	4
6	9	4	3	1	7	8	5	2

सुडोकु के विजेता (अक्टूबर) - 1) विधी म, बाल भारती हाई स्कूल 2) चेतन प्रजापती, नायगाँव म्युनि.सेकंडरी स्कूल 3) रिजवाना जाफर, आवामी उर्दू हाई स्कूल

सुडोकु के विजेता (नवंबर) - 1) सुरेश खंदारे, आय.सी.एल.हाई स्कूल 2) निकिता धोलम, भायखला (पूर्व) सेकंडरी स्कूल 3) तबस्सुम फातिमा, न्यू माहिम सेकंडरी स्कूल

पहचान कौन ?

इस मशहूर व्यक्ति की तस्वीर को पहचानिए! अपना जवाब आपके स्कूल में आने वाले सलाम बॉम्बे फ़ाउन्डेशन के सर / मॅडम को अपने नाम के साथ दें। लकी ड्रॉ में चुने गए तीन सही जवाबों को हमारी तरफ़ से पुरुस्कार दिया जाएगा।

आपका जवाबः ....

आपका नामः ....

स्कूलः ....

मुम्बई निवासी पंकज आडवाणी ने नौ बार के विश्व चैम्पियन माईक रसैल को इस साल फ़ाइनल में हराकर विश्व बिलियर्डस चैम्पियन का खिताब जीता। इस खिताब को जीतने वाले वे दूसरे भारतीय हैं। इससे पहले इस चैम्पियनशिप को 2006 में गीत सेठी ने जीता था। 139 वर्ष के इतिहास में दो बार ऐसा हुआ है।

वेंकटरमन रामाकृष्णन जीव-विज्ञान (बॉयलॉजी) के मशहूर वैज्ञानिक हैं। उन्हें वर्ष 2009 में राइबोज़ोम की संरचना के बारे में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए विश्व प्रतिष्ठित नोबल पुरुस्कार से सम्मानित किया गया।

पहचान कौन के विजेता (अक्टूबर) - 1) हिना नफीस खान, मोहम्मद उमर रज्जब म्युनि.सेकंडरी स्कूल 2) मोनिका माली, शिवाई विधामंदिर 3) पटेल विकास चन्द्र, शक्ति सेवा संघ सेकंडरी स्कूल

पहचान कौन के विजेता (नवंबर) - 1) स्नेहा विजय सकपाल, साधना विधायल 2) मोहम्मद रिजवान अहमद, मोहम्मद उमर रज्जब म्युनि.सेकंडरी स्कूल 3) लोकेश जैन, राजीव गाँधी हाई स्कूल

क्या आप जानते हैं ?

Butterflies taste with their feet.

Jupiter's 4 biggest moons are named Europa, Ganymede, Callisto and Io.

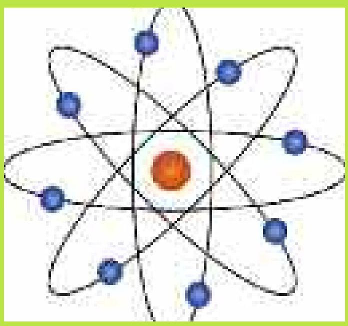

Every drop of sea water contains approx-imately 1 billion (100 करोड़) gold atoms (अणु कण).

Honey (शहद) is the only food that does not ever get spoilt (खराब).

The oldest known vegetable is the peas (मटर, वटाना).